

पाठ 2

खेजड़ली गाँव का शहीद मेला

इस पाठ से हम सीखेंगे—

- पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाना आवश्यक है।
- नए पेड़ों की देखभाल करना जरूरी है।
- अमृता ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।
- ए, ऐ, ओ तथा औ की पहचान करना तथा इनके प्रयोग में अन्तर।
- ए, ऐ, ओ और औ मात्राओं की पहचान और इनके प्रयोग में अन्तर।

पाठ

अभय सिंह जोधपुर का राजा था। गिरधर भंडारी उसका दीवान था। वह रौबदाब वाला, बड़ा गुस्सैल और ज़िद्दी स्वभाव का था। एक बार उसे इमारती लकड़ी की ज़रूरत पड़ी। उसने खेजड़ली गाँव में पेड़ काटने का हुक्म दे दिया।

गाँव वालों ने जब यह सुना तो वे गुस्से से भर गए। वे हरे पेड़ न खुद काटते थे, न दूसरों को काटने देते थे। पेड़ों से वह गाँव खुशहाल था। खूब बारिश होती थी। इमारती लकड़ी मिलती। पशुओं को छाया मिलती। उन्होंने दीवान के मज़दूरों को लौटा दिया।

दीवान को इस बात की जानकारी मिली। उसने अपने सैनिक भेज दिए।



कुल्हाड़ियाँ चलने लगीं। खेजड़ली की एक औरत अमृता आगे आई। वह एक पेड़ से लिपट गई। पर कुल्हाड़ियाँ रुकी नहीं। अमृता कट गई। फिर तो कटने वालों का ताँता ही लग गया। तीन सौ तिरेसठ लोग कट गए। कटने वालों में मर्द और औरतें दोनों थे।

अंत में मजदूरों ने कुल्हाड़ियाँ फेंक दीं। ऐलान कर दिया— हम भी इंसान हैं। बेकसूरों को कहाँ तक मारें।

अमृता अमर हो गई। उसकी याद में वहाँ अब हर साल मेला लगता है। उसे खेजड़ली का शहीद मेला कहते हैं। दूर-दूर से लोग मेले में आते हैं। रंग-बिरंगी ओढ़नी ओढ़कर औरतें आती हैं। अमृता के गीत गाती हैं।

वहाँ आज भी उस दिन पेड़ लगाए जाते हैं। लोग इसे शगुन मानते हैं। आज खेजड़ली गाँव के चारों ओर हरियाली है।

पेड़ों से आती खुशहाली।
हर हालत में हो रखवाली॥
पेड़ों को मानो संतान।
एक वृक्ष दस पुत्र समान॥

इनका मतलब जानिए—

शब्द	अर्थ
गुस्सैल	= गुस्सा करने वाला
जिद्दी	= जिद/हठ करने वाला
ताँता लगना	= एक के बाद एक का आना
शगुन	= शुभ

आइए, यह भी जानें—

ए और ऐ स्वरों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में एक, गए, दिए जैसे शब्द आए हैं, जिनमें **ए** आया है।
- इसी तरह ऐसा, ऐलान जैसे शब्द आए हैं, जिनमें **ऐ** आया है।
- **ए** और **ऐ** से बने कुछ शब्दों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं। इन शब्दों को बोलकर **ए** और **ऐ** के अन्तर को समझिए—

एकता	ऐसी	एकड़	ऐलान
एड़ी	ऐनक	नए	ऐरावत

ए ऐ से बनी मात्राओं और की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में पेड़, खेजड़ली जैसे शब्द आए हैं। इनमें  की मात्रा लगी है।
- इसी तरह पाठ में गुस्सैल, सैनिक शब्द आए हैं। इनमें  की मात्रा लगी है।

ए की मात्रा  वाले शब्द बोलने में कम बल लगता है।

ऐ की मात्रा  वाले शब्द में अधिक बल लगता है।

- अब नीचे लिखे शब्दों को बोलकर  तथा  मात्रा का अन्तर समझिए:

बेर	बैर	मेल	मैल
बेल	बैल	वेद	वैद
खेल	शैतान	मेला	मैदान
महेश	हैरान	गणेश	कैलाश

ओ और औ स्वरों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में ओर, ओढ़नी जैसे शब्द आए हैं, जिनमें ओ का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह पाठ में और, औरत जैसे शब्द आए हैं, जिनमें औ का प्रयोग हुआ है।
- ओ और औ दोनों को खुद बोलकर देखिए। इनकी आवाज़ के अन्तर को समझिए।
- औ स्वर शब्द के बीच में कभी नहीं आता, शुरू में ही आता है।

- ओ और औ से बने कुछ अन्य शब्द यहाँ दिए जा रहे हैं। इन्हें बोलकर समझिए:

ओस	औज़ार
ओला	औलाद
ओखली	औसत
ओसारा	औकात

ओज	औषध
ओढ़नी	औरत
ओझल	औघड़

ओ तथा औ स्वरों से बनी मात्राओं **ो** तथा **ै** की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- पाठ में जोधपुर, लोग जैसे शब्द आए हैं। इनमें **ो** की मात्रा लगी है।
- इसी तरह पाठ में रौनक, रौबदाब जैसे शब्द आए हैं। इनमें **ै** की मात्रा लगी है।

अब नीचे लिखे शब्दों को बोलकर **ो** और **ै** की मात्रा का अंतर समझिए—

मोल	मौला
गोल	गौना
बोझ	बौना
गोद	गौरव
घोंसला	हौसला

लोटा	हथौड़ा
कटोरी	पकौड़ा
पोटली	चौपाल
चोर	चौराहा
झोपड़ी	बौना

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) गिरधर भंडारी कौन था?

.....

(ख) गिरधर भंडारी ने पेड़ काटने का हुक्म क्यों दिया?

.....

(ग) अमृता पेड़ से क्यों लिपट गई?

.....

(घ) मजदूरों ने कुल्हाड़ियाँ क्यों फेंक दीं?

.....

(ङ) आज खेजड़ली गाँव में खुशहाली क्यों है?

.....

2. सही वाक्य के आगे (✓) तथा गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

(क) खेजड़ली गाँव के लोग हरे पेड़ काटते थे। ()

(ख) तीन सौ तिरेसठ मर्द और औरतें कट गईं। ()

(ग) अमृता की याद में हर साल मेला लगता है। ()

(घ) खेजड़ली गाँव में लगने वाले मेले को वृक्ष मेला कहते हैं। ()

(ङ) आज भी लोग मेले के दिन पेड़ लगाते हैं। ()

(च) अब तो गाँव में चारों ओर हरियाली है। ()

3. ए ऐ ओ औ में से सही वर्ण जोड़कर नीचे लिखे शब्दों को पूरा कीजिए और लिखिए:

जैसे— नक ऐनक

● कता

● जार

● ढ़नी

4. ऐसे दो-दो शब्द बनाकर लिखिए, जिनमें नीचे लिखे वर्ण आ जाएँ:

जैसे— ए	एकता	नए
ऐ		
ओ		
औ		

5. सही शब्द पर गोला लगाइए:

जैसे—	ऐकता	एकता	एकाएक	ऐकाएक
	औज़ार	ओज़ार	ऐरावत	एरावत
	औखली	ओखली		

6. नीचे लिखी मात्राएँ जिन शब्दों में आएँ, ऐसे दो-दो शब्द बनाकर लिखिए:

जैसे—	२	खेल	रेल	मेला
	३	पैसा		
	ी	पोटली		
	१	पौधा		

आइए, करके देखें—

- अपने जन्म दिन तथा इसी तरह के शुभ अवसरों पर पेड़ जरूर लगाएँ। ओरों को भी पेड़ लगाने को कहें। पेड़ों की देखभाल अवश्य करें, नहीं तो वे मर जाएँगे।

अब यह जानिए

- पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए जरूरी हैं। इनके बिना हमारा जीवन खतरे में पड़ सकता है।
- बिना इजाजत के हरे पेड़ काटना कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर सजा हो सकती है।